



Literacy for a Billion

Movie: Players

Year: 2012

Song: koun duriyan hai darmiyan

Lyricist: Ashish Pandit

क्यों दूरियाँ हैं दरमियाँ
बढ़ जाने दे नज़दीकियाँ
हर साँस में महसूस कर
इन साँसों की मदहोशियाँ
मेरा नशा कैसे चढ़े
मेरा नशा ज़िद पे अड़े
मेरा नशा ऐसे नचाए
झूम झूम झूम झूमता तू जा

जिस आग में ये
बदन जल रहा है मेरा
ए हमसफ़र
तू भी उसी में जल जाएगा जाएगा
परवाने क्यों डर
शमा पे मचलते हैं
तुझको आज फिर
इसका पता भी चल जाएगा
मैं ही शहद मैं ही ज़हर

मुझमें तेरे शाम ओ सहर
मेरी इन पनाहों में आकर
झूम झूम झूम झूमता तू जा

मैं भी हूँ तनहा है
तू भी अकेला है
मौका भी हसीं
मिलने का होने दे सिलसिला सिलसिला
बिन कुछ कहे कुछ सुने
कुछ किए कब मैं तुझपे मर गई
मुझको पता भी ना ये चला
लो मर गए हम बेकसूर
वो जी गए जिनका कसूर
आँखों से मेरी जान लेकर
झूम झूम झूम झूमता तू जा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.